# शिखर 2

## पाठ 9. रम्मना का घड़ा

### पाठ का उद्देश्य

प्रत्येक व्यक्ति की कमियाँ और खूबियाँ ही उसमें नकारात्मक एवं सकारात्मक सोच को उत्पन्न करती हैं। प्रस्तुत पाठ में दो घड़ों के माध्यम से यही सीख दी जा रही है। इस पाठ द्वारा बच्चे अपनी कमियों से निराश होने के स्थान पर अपनी विशेषताओं को महत्त्व देना सीखेंगे, जिससे उनमें सकारात्मक सोच एवं ऊर्जा का संचार होगा। यही इस पाठ का मूल उद्देश्य है।

### पाठ का सारांश

एक किसान के पास दो घड़े थे। वह एक डंडे के दोनों छोरों पर घड़ों को बाँधकर प्रतिदिन झरने से पानी भरकर लाया करता था। उसके एक घड़े में एक सूराख था, जिसमें से पानी निकलता रहता है। साबूत घड़ा यह देख स्वयं पर बहुत घमंड करता था परंतु छेद वाला घड़ा अपनी कमी पर बहुत दुखी होता था। छेद वाले घड़े को निराश देखकर किसान ने उससे कहा कि कल घर लौटते समय वह रास्ते पर अपनी ओर के फूलों को देखे। छेद वाले घड़े ने वैसा ही किया। खिलखिलाते फूलों को देखकर वह बहुत खुश हुआ। किसान ने उसे समझाया कि उसने उसकी इस कमी का लाभ उठाया और उसकी ओर वाले रास्ते पर फूलों के पौधों के बीज बो दिए। सूराख से निकलने वाले पानी ने रोज़ उन पौधों को सींचकर उस रास्ते को खूबसूरत बना दिया। किसान की बात सुनकर छेद वाला घड़ा अपने खोट को भुला अपनी खूबी पर बहुत प्रसन्न हुआ। साथ ही, साबूत घड़े ने उनकी बात सुनी तो उसने अपना घमंड छोड़ दिया।

### अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व पाठ की संक्षिप्त पृष्ठभूमि तैयार करें। बच्चों से पूछें, क्या उनके घर में पानी भरने के लिए घड़े का प्रयोग किया जाता है? यदि नहीं तो उन्हें बताएँ कि पहले जब फ्रिज नहीं हुआ करते थे तब घड़ों एवं सुराहियों में पानी भरकर ठंडा किया जाता था। उनसे पूछें, यदि उनके घरों में घड़े का प्रयोग होता है तो उसमें छेद हो जाने पर उसका क्या किया जाता है। क्या उसे तोड़कर फेंक दिया जाता है अथवा उसमें पेड़-पौधे लगा दिए जाते हैं? इस चर्चा के बाद बच्चों को बताएँ कि आज हम दो घड़ों की कहानी पढ़ेंगे।
पाठ का स्वयं वाचन करें। बीच-बीच में बच्चों से पाठ से संबंधित प्रश्न पूछकर पाठ की ओर उनका ध्यान सुनिश्चित करें। पाठ में निहित जीवन-मूल्यों को बच्चों में विकसित करने का प्रयास कीजिए।

- ❖ उन्हें घमंड न करने की सीख दें। उन्हें समझाएँ कि दूसरों की कमियों का मज़ाक नहीं उड़ाना चाहिए। बल्कि उनकी विशेषताओं की ओर ध्यान देना चाहिए। बच्चों में सकारात्मक सोच विकसित कीजिए।
- ❖ बच्चों को पानी के स्रोत – झरना, तालाब, नदी, समुद्र आदि के बारे में बताएँ। जैसे – झरना पहाड़ों से नीचे की ओर झरता है। नदी निरंतर बहती रहती है और अंत में समुद्र में जाकर मिल जाती है आदि।

❖ बच्चों से पूछें क्या उनके घर में पेड़-पौधे हैं। क्या वे उनमें प्रतिदिन पानी देकर उन्हें हरा-भरा रखते हैं?

डिजिटल (Digital) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।